शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा के विगत सत्र से अबतक की अवधि में विभिन्न राजनेताओं,समाज सेबियों, न्यायविदों के निधन की सूचना हमें मिली है। इसमें सुषमा स्वराज,अरूण जेटली, डॉ0 जगन्नाथ मिश्र,बाबू लाल गौर,राम जेठमलानी और प्रशान्त कुमार के नाम प्रमुख हैंः–

भारत सरकार की पूर्व विदेश मंत्री तथा दिल्ली की पूर्व मुख्य मंत्री सुषमा स्वराज का निधन विगत 06 अगस्त,2019 को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हो गया। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री सुषमा स्वराज के नाम भारतीय राजनीति के अनेक कीर्तिमान हैं। 14 फरवरी1952 में पैदा हुई सुषमा जी ने अपने कैरियर की शुरूआत 1973 में वकालत के पेशे के साथ की और राजनीति में भी सक्रिय हो गयीं। 1977 में वे हरियाणा सरकार में सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री नियुक्त की गयीं। 1990–96 के दौरान वे राज्य सभा की सदस्य रहीं और इस अवधि में अटल बिहारी बाजपेयी जी की केन्द्र सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनायी गयीं।

1998 में वे दिल्ली विधान सभा के लिए निर्वाचित हुई और इसी वर्ष उन्हें दिल्ली की प्रथम महिला मुख्य मंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ। वर्ष–2000 में वे पुनः राज्य सभा के लिए चुनी गयीं और एक बार फिर केन्द्र सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनायी गयीं। 2009 में वे राज्य सभा में प्रतिपक्ष की उपनेता बनी। वर्ष–2014 से 2019 तक वे श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार में विदेश मंत्री नियुक्त की गयीं। लोक सभा के लिए 2019 में हुए चुनाव में उन्होने स्वेच्छा से भाग लेने से इनकार कर दिया। स्व0 स्वराज भारत माता की विलक्षण बेटी थीं। समस्त देश वासियों को उन्होने अपने परिवार के सदस्यों के समान प्यार दिया। मुसीबत के समय उन्होने विदेश में प्रवासी भारतीयों का साथ निभाया। सोशल मीडिया पर जीवन के अंतिम क्षणों तक वे सक्रिय रहीं। उनके निधन से न केवल राष्ट्रीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है वरन् विश्व फलक पर भी उनकी कमी को लम्बे समय तक महसूस किया जाएगा।

भारत सरकार के पूर्व वित्त मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता अरूण जेटली जी का निधन 24 अगस्त,2019 को हो गया। 28 दिसम्बर,1952 को जन्में अरूण जेटली ने 1972

में दिल्ली स्थित श्रीराम कॉलेज से छात्र राजनीति की शुरूआत की और 1973 में लोक नायक जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति के संयोजक बनाये गये। 1975 से 1977 के आपात काल के दौरान वे तत्कालीन सरकार द्वारा नजर बन्द कर दिये गये। 1998 में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की भारतीय टीम में शामिल हुए। 1999 में वे अटल बिहारी बाजपेयी जी की केन्द्र सरकार में सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री नियुक्त किए गए। 2000 में वे राज्य सभा के लिए चुने गए और कानून मंत्री का प्रभार भी संभाला। 2006 में वे दूसरी बार राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए। 2009 में वे राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष बनाये गए। 2012 में वे पुनः राज्य सभा के लिए चुने गए और नरेन्द्र मोदी जी की सरकार में केन्द्र में वित्त मंत्री

बनाये गए। अपने इस कार्यकाल में उन्होने भारतीय अर्थ व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाया। नोट बंदी और जी0एस0टी0 जैसे ठोस कदम उन्हीं के द्वारा उठाये गये। उनके निधन से भारतीय राजनीति को गम्भीर क्षति हुई है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबू लाल गौर का निधन 21अगस्त,2019 को भोपाल स्थित एक निजी अस्पताल में हो गया। बाबू लाल गौर 1974 से 2013 तक लगातार दस बार मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। 2004 में वे मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री नियुक्त किए गए थे। उनके निधन से राष्ट्रीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है।

बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री डॉ0 जगन्नाथ मिश्र का निधन 19 अगस्त,2019 को 82 वर्ष की उम्र में हो गया। डॉ0 मिश्र तीन बार बिहार के मुख्य मंत्री हुए। वे 1968 में बिहार विधान परिषद् के लिए चुने गये तथा 1972 से 1990 तक लगातार पाँच बार बिहार विधान सभा के सदस्य

निर्वाचित हुए। मुख्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होने अनेक साहसिक निर्णय लिए। वे अर्थ शास्त्र के बड़े विद्वान भी थे। उनके निधन की सूचना से हम मर्माहत हैं।

देश के प्रख्यात वकील और राज्य सभा सदस्य राम जेठमलानी का निधन 08 सितम्बर,2019 को हो गया। छठी और सातवीं लोक सभा में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर मुम्बई से भी वे निर्वाचित हुए थे। वे अटल बिहारी बाजपेयी जी के नतृत्व वाली केन्द्र सरकार में कानून और शहरी विकास मंत्री नियुक्त किए गये थे। उनकी गिनती देश के वरिष्ठ कानून विदों से होती थी। उनके निधन से कानून के क्षेत्र में गहरी क्षति हुई है।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश प्रशान्त कुमार का निधन 61 वर्ष की उम्र में 30 अगस्त,2019 को हो गया। अपने कैरियर की शुरूआत उन्होने 1980 में वकालत से की थी। 1991 में वे न्यायिक सेवा में आ गए। 2001 में वे जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा 2009 में झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश

बनाये गए। 07 जून,2019 को वे यहॉ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाये गए थे। उनके निधन की सूचना से हमे काफी दुखः हुआ है।

इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ और प्राकृतिक आपदा से कई लोगों के दुःखद निधन की सूचना भी हमे प्राप्त हुई है। निधन की इन सूचनाओं से हम मर्माहत हैं और ईश्वर से कामना करते हैं वे दिवंगत आत्माओं को शान्ति दें।

सदन नेता

+++++

नेता प्रतिपक्ष

+++++

दलीय नेतागण

आइए हम कुछ पलों का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

धन्यवाद